

---

Shivaproktam Madhyarjunakshetramahimanuvarnanam

शिवप्रोक्तं मध्यार्जुनक्षेत्रमहिमानुवर्णनम्

Document Information

---

Text title : Shivaproktam Madhyarjunakshetramahimanuvarnanam

File name : shivaproktaMmadhyArjunakShetramahimAnuvarNanam.itx

Category : shiva, shivarahasya, tIrthakShetra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 27

madhyArjunamahimAnuvarNanam | 1-8||

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

शिवप्रोक्तं मध्यार्जुनक्षेत्रमहिमानुवर्णनम्



(शिवरहस्यान्तर्गते उग्राख्ये)

शिवः

मध्यार्जुनाभिधं क्षेत्रमेकमस्ति वरानने ।

तत्र सम्पूज्य मां देवा मुनयश्च वसन्ति हि ॥ १ ॥

मध्यार्जुनेशं यः पश्येन्निशि भस्मविभूषणः ।

समर्चयेच्च भक्त्या यः स मुक्तो भवति ध्रुवम् ॥ २ ॥

अत्र यः कृत्तिकायोगे कार्तिक्यां यत्नपूर्वकम् ।

सम्पूजयति मां भक्त्या स मुक्तो भवति ध्रुवम् ॥ ३ ॥

तत्र यत्नेन मद्भक्तं सुवर्णाभरणादिभिः ।

यः पूजयेत्स संसारान्मुक्तो भवति सर्वथा ॥ ४ ॥

अत्र पातार्द्रसंयुक्त सप्तमी भानुवासरे ।

यो मां समर्चयेद्भक्त्या स मुक्तो भवति ध्रुवम् ॥ ५ ॥

यस्तु कृष्णलमात्रं वा सुवर्णं भस्मधारिणे ।

ददाति परया भक्त्या स मुक्तो भवति ध्रुवम् ॥ ६ ॥

मध्यार्जुने तपस्तप्तं बहुभिर्मुनिभिः पुरा ।

अविमुक्तमिदं प्राप्तं मुक्त्यर्थं कमलानने ॥ ७ ॥

सार्धलक्षसहस्राणां मुनीनामूर्ध्वरेतसाम् ।

वासस्थलमभूत्पूर्वं श्रीमध्यार्जुनकं शिवे ॥ ८ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते शिवप्रोक्तं मध्यार्जुनक्षेत्रमहिमानुवर्णनं सम्पूर्णम् ॥


- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः २७ मध्यार्जुनमहिमानुवर्णनम् । १-८ ॥


Notes:

Śiva शिव describes to Pārvatī पार्वती about the Madhyārjuna Śivakṣetra मध्यार्जुन शिवक्षेत्र, and the merits of worshiping Him there during specific times like nighttime; Kṛittikāyoga कृत्तिकायोग during Kārtika month कार्तिक मास and PātĀrdrasāmyukta BhānuSaptamī पाताद्रसंयुक्त भानुसप्तमी.

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Shivaproktam Madhyarjunakshetramahimanuvarnanam*  
pdf was typeset on June 16, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

